ब्रह्माकुमारीझ का द्वारा गुजरात राज्य की २३ जेलो में एक साथ आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभांरभ

गुजरात की जेलो में बंदीवान भाई-बहनें करगें - ध्यान-योग एवम् मूल्य शिक्षा का अध्ययन

गुजरात सरकार के जेल विभाग ने बंदीवान भाई-बहनो को प्रशिक्षण देने किया, ब्रह्माकुमारी बहनों का आह्वान

सुख शांति भवन, अमदाबाद :- गुजरात सरकार के जेल विभाग द्वारा गुजरात राज्य की सभी २३ जेलो में एक ही साथ १ साल के लिये ब्रह्माकुमारीझ संस्था को बंदीवान भाई-बहनों को प्रशिक्षण के लिये आंमत्रित किया गया। ब्रह्माकुमारीज के द्वारा नैतिक जागृत्ति, मूल्य शिक्षा, व्यसन मुक्ति, ध्यान-योग एवम् आध्यात्मिक मूल्यों के अध्ययन से बंदीवान भाई-बहनों का जीवन परिवर्तन कर जेल सुधारणा का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

अहमदाबाद मध्यस्थ जेल में केदी भाई-बहनों के लिये आयोजित जीवन दर्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का दिप प्रज्जवलन कर उद्धाटन करते हुये सुप्रिन्टेन्डन्ट भ्राता वी. चंद्शेखर **(I.P.S.)** कहा की - जेल में आये हुये बंदीवान भाई-बहनों को अपने को अंदर से झांखने का सुअवसर है। इस कारावास को कारावास न समज स्वंय को पहेचान कर, स्वंय से बातचीत करते, स्वंय को सशक्त करने का अब समय है। इस कारावास के समय का सद्उपयोग कर, आने वाले कल की अभी से यहाँ से तैयारी शुरु कराने यह ब्रह्माकुमारी बहनें आपको मदद करने आई है। आझादी के समय जेल कारावास में कई नई क्रांन्ति के बीज पडे थे। इस कार्यक्रम से आध्यात्मिक क्रांन्ति के बीज बोये जायेंगे।

डिप्टी सुप्रिन्टेन्डन्ट, भ्राता खेरा **G.P.S.** ने बताया कि - जेल के वातावरण को परिवर्तन करने में ब्रह्माकुमारी बहनों का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। बंदीवानो के जीवन में नैतिक जागृत्ति ला कर इनके जीवन में परिवर्तन लाने में संस्था का सहयोग सराहनीय रहेगा। सीनीयर जेलर भ्राता आई. वी. चौधरी ने सभी का शब्दों से स्वागत किया।

ब्रह्माकुमारी नेहा बहन ने प्रशिक्षण का लक्ष्य एवम् उदेश्य स्पष्ट करते हुये बताया कि - इस जीवन दर्शन आध्यात्मिक प्रशिक्षण में सर्वागीण विकास होगा। जीवन तो हम सभी जीते है, किन्तु जीवन में खुशी, उंमग, उत्साह शांति, प्रेम, दयाभाव जैसे मूल्य आज नजर नही आ रहे है। इस मूल्यों को जीवन में लाकर अहेसास करना सीखाया जायेगा। हमारे अंदर छीपी हुई शक्तियों को जागृत्त कर उसे सकारात्मक एवम् रचनात्मक प्रयोग करना सीखाया जायेगा। परमात्मा से अपना नाता योग के माध्यम से जोड, जीवन में तनाव, हताशा, निराशा वाली स्थिती से हम संपूर्ण मुक्त होने का प्रशिक्षण दीया जायेगा।

११ मार्च गुरुवार को गुजरात राज्य की २३ जेलो में एक ही साथ शुभारंभ हुआ। ब्र. कु. धर्मिष्टा बहन ने संस्था की गतीविधीयों से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन ब्र. कु. नंदिनी बहन ने किया। इस कार्यक्रम के लिये गुजरात सरकार,जेल विभाग द्वारा सरक्युलर जारी किया गया।